वर्ग–6 **विषय–हिन्दी लिटरेचर** दिनांक–25 / 05 / 2020

पाठ– भाग्य के भरोसे

प्रस्तुत कहानी भाग्य के भरोसे में तीन मछलियों के बारे में बताया गया है। हीरा, पारो, सुनिधि ये तीनो मछलियाँ एक नदी में रहती थी। एक दिन शाम के समय सभी मछलियाँ नदी के जल में उछल कूद कर रही थी तभी कुछ मछुआरों ने उन्हे देख लिया और वे मछलियो को पकड़ने की बात करने लगे। मछुआरों की बातें सुन कर तीनों मछलियाँ इस समस्या के समाधान पर विचार करने लगे। हीरा मछली मुसीबत के आने से पहले ही समस्या का समाधान कर लेती है वह अपने परिवार के साथ दूसरी नदी में चली जाती है ।इसमें उस तरह के लोग आते है जो अपनी बुद्धि का प्रयोग कर पहले ही समस्या का समाधान कर लेते है। सुनिधि मछली मुसीबत को सामने देख कर वह तुरंत समस्या का हल निकाल लेती है। वह तुरंत गहरे पानी में जा कर अपना बचाव कर लेती है। इसमें इस तरह के लोग आते है जो भाग्य के भरोसे न रह कर अपने बुद्धि का प्रयोग कर तुरंत समस्या का समाधान कर अपना बचाव कर लेते हैं। पारो मछली मुसीबत को सामने देखते हुए भी वह अपने भाग्य पर भरोसा करती है और मछुआरों के जाल में फँस जाती है। इसमें इस तरह के लोग आते हैं जो अपना सब कुछ अपने भाग्य के भरोसे छोड़ देते हैं। वे न तो अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हैं और न ही मेहनत करना चहाते हैं और अंत में पछताते हैं

इसलिए हमें हीरा और सुनिधि मछली की तरह भाग्य के भरोसे न बैठ कर अपने बुद्धि का प्रयोग करते हुए परिश्रम करना चाहिए तभी हमें सफलता मिलेगी।

गृह कार्य

पाठ को ध्यान से पढ़िए

मौखिक प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखें।

हिन्दी व्याकरण

संज्ञा

संज्ञा की परिभाषा–किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, भाव, स्थान आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञाा के भेद

Scanned with CamScanner

व्यक्तिवाचक संज्ञा– जो शब्द किसी विशेष एंव निश्चित व्यक्ति वस्तु व स्थान की जानकारी देते हैं उन्हे व्यक्ति वाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– डॉ. भीमराव आंबेडकर (इन्होंने भारत के संविधान की रचना की। विशेष व्यक्ति हैं।)

ऋग्वेद–(भारत का सबसे पहला वेद है। विशेष वस्तु है।) ताजमहल– आगरा में स्थित है। निश्चित स्थान में है।)

जातिवाचक संज्ञा– किसी भी प्राणी, जंतु एंव समूह की जानकारी देने वाले संज्ञा शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– रीता किताब पढ़ रही है।(इस वाक्य में किसी किताब का नाम नहीं लिया गया है अर्थात कोई भी किताब हो सकता है।) आज हम फल खाएंगे।(इस वाक्य में किसी फल का नाम नहीं कहा गया हैं यहाँ फलों के समूह की बात कही गई है।)

जातिवाचक संज्ञा के दो भेद होते हैं

द्रव्यवाचक संज्ञा– वे संज्ञा शब्द जो ऐसे पदार्थो तथा द्रव्यों का बोध कराते हैं जिनका नाप–तौल किया जा सकता है। जैसे– सोना, चाँदी, दूध, लकड़ी आदि।

समूहवाचक संज्ञा– ऐसे शब्द जो किसी समूह अथवा समुदाय का बोध कराते हैं उन्हे समूह वाचक संज्ञा कहते हैं जैसे– कक्षा,सेना,जनता आदि।

भाववाचक संज्ञा– जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, दोष, दशा,अवस्था आदि का बोध होता है उन्हे भाववाचक संज्ञा कहते हैं जैसे– दया,शांति,प्रेम, अच्छाई, बुढ़ापा सफलता आदि।(भाववाचक संज्ञा में उन गुणों का बोध होता है जिनका अनुभव हमारा मन या ह्रदय करता है किन्तु न तो हम उन्हे देख सकते है न तो स्पर्श कर सकते हैं)

गृह कार्य

1.संज्ञा किसे कहते हैं?
2.संज्ञा के कितने भेद होते हैं?
3.जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?
4.व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?

इन प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखें और याद कीजिए।

Scanned with CamScanner